शोध संचयन

Half yearly, Bilingual (हिन्दी & English)
ISSN 0975 1254 (Print)
ISSN 2249 9180 (Online)

Vol. 12, Issue 1 & 2, 15 July, 2021

An Internationally Indexed Peer Reviewed Refereed Research Journal
And a complete Periodical dedicated to
Humanities & Social Science Research

मुख्य सम्पादक :
डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

सम्पादक :
डॉ. सुनीता सिंह

सह सम्पादक :
डॉ. प्रदीप कुमार राव

www.shodh.net

Contact us with ;

Vol. 12, Issue 1 & 2, 15 July, 2021

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पर केन्द्रित अर्द्धवार्षिक शोध जर्नल

प्रकाशकीय कार्यालय :

B-9, द्वितीय तल, गगन अपार्टमेंट,
गगन विहार एक्सटेंशन, दिल्ली, 51
E-mail : shodhsanchayan@gmail.com
info@shodh.net
URL : www.shodh.net

संपादकीय पत्र व्यवहार :

डॉ0 सुनीता सिंह, संपादक
409, शांतिवन अपार्टमेन्ट
2A/244A, आजाद नगर कानपुर- 208002
सम्पर्क : +919415050808

मूल्य : रु0 150/-

SUBSCRIPTION FEE OF JOURNAL

Individual :

	One Year	Three Year	Five Year	Life*
Rs.	Not Available	800	1400	3000
US$	15	30	60	200

Institutional :

	One Year	Three Year	Five Year	Life*
Rs.	400	1100	1800	4000
US$	25	50	100	300

Bank Draft or Crossed Cheque (CBSB Branches for out station cheque) accepted in Favour of "**Shodh Sanchyan**" payable at **Kanpur**. Overseas subscribers can subscribe by electronic transfer. For detail visit **www.shodh.net.** Excluding Postage.

*Subscription fee may be revised according to Editorial Board Decision. Life subscription is for ten years or servival of the journal, which is less. Postage charge excluded.

नोट : **प्रकाशित आलेखों के विचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। समस्त वाद क्षेत्र कानपुर होगा।**

संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ0 सुनीता सिंह द्वारा शिवा प्रिंटिंग वर्क्स, A-21/11 नारायणा इण्डस्ट्रियल एरिया, फेस-II नई दिल्ली, 98 से मुद्रित कराकर B-9, द्वितीय तल, गगन अपार्टमेंट, गगन बिहार एक्सटेंसन, दिल्ली–51 से प्रकाशित

लेखकों से अनुरोध

शोध संचयन सामाजिक विषय एवं मानविकी का अर्द्धवार्षिक शोध-जर्नल है जिसमें उपरोक्त विषयों से संबंधित सभी उपविषयों के मौलिक शोध-पत्र, शोध समीक्षा, विचार, लेखों आदि का प्रकाशन किया जाता है। शोधकर्ता हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में अपने शोध पत्र भेज सकते है।

शोध पत्र भेजते समय कृपया निम्न बिन्दुओं पर ध्यान दें:-

1. शोध-पत्र अधिकतम 4000-5000 शब्दों तक में हो तथा 150 शब्दों का सार संक्षेप एवं विषय संकेतक (Key Words) भी प्रेषित करें। प्रचलित शब्दावली का व्यवहार अपेक्षित है।
2. संदर्भ ग्रन्थ सूची का उल्लेख अवश्य करें। संदर्भ ग्रन्थ सूची में लेखक का उपनाम, मुख्य नाम, पुस्तक का नाम, प्रकाशन का वर्ष एवं पृष्ठ संख्या अंकित होना चाहिए। पत्रिका के संदर्भ में लेख का शीर्षक, पत्रिका का नाम, अंक, पृष्ठ क्रम एवं प्रकाशन वर्ष दें।
3. शोध-पत्र A4 साइज के कागज पर कम्प्यूटर से एक तरफ मुद्रित हो।
4. शोध-पत्र एम.एस. वर्ड अथवा पेज-मेकर पर हिन्दी में Krutidev 10 के Font size 12 तथा अंग्रेजी में Times New Roman में Font size 10 में टाइप करवाकर भेजें।
5. ई-मेल द्वारा प्रपत्र भेजने पर भी आलेख **तीन प्रतियों में (Hard Copy)** तथा **सीडी में** अवश्य भेजें। जिससे प्रूफ रीडिंग सम्बन्धी कमियों को दूर किया जा सके।
6. शोध-पत्रों की स्वीकृति एवं अस्वीकृति का अन्तिम निर्णय संबंधित विषय के दो विशेषज्ञों की राय से सम्पादक मण्डल द्वारा किया जाता है। इस सम्बन्ध में अन्तिम अधिकार प्रधान सम्पादक को प्राप्त है जो सभी सदस्यों को मान्य होगा
7. शोध-पत्र के प्रकाशन हेतु सम्पादक के नाम पत्र होना चाहिए, जिसमें स्पष्ट रूप से शोध-पत्र के सम्बन्ध में ''मौलिक एवं अप्रकाशित" शब्द लिखा होना चाहिए और उसे अन्यत्र न भेजे जाने की पुष्टि हो। www.shodh.net से सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिनलिटी प्राप्त करें और लेख के साथ भरकर भेजें।
8. शोध-पत्र में सारणी एवं चित्रों का प्रयोग लेख के बीच में न करते हुए अंत में संदर्भ या संलग्नक के रूप में करें।
9. शोध-पत्र ई-मेल द्वारा हमारे ई-मेल पते पर और डाक द्वारा निम्न पते पर भेजे जा सकते हैं-

shodhsanchayan@gmail.com
info@shodh.net

डॉ० सुनीता सिंह, संपादक शोध संचयन,
409, शान्तिवन अपार्टमेंट
2A/244A आजाद नगर, कानपुर-208002 (उ०प्र०)

अपने आलेख को लिखते समय कृपया ध्यान दें:-
(शोध आलेख में होने वाली सामान्य त्रुटियाँ)

1. आलेख में नई एवं मौलिक उद्भावनाओं/अवधारणा के प्रतिपादन का अभाव एवं पूर्व स्थापित अवधारणा/मान्यता, स्थापना आदि का पिष्टपेषण
2. शोध आलेख का तार्किक एवं श्रृंखलाबद्ध न होना और शब्दजाल की अनावश्यक उपस्थिति।
3. संदर्भ साहित्य का अपर्याप्त अध्ययन।
4. त्रुटिपूर्ण तथ्यों एवं आँकड़ों का उल्लेख
5. पाठ में उल्लिखित संदर्भ का लेख के अन्त में दी गयी संदर्भ सूची में न लिखा जाना
6. संदर्भ में पुस्तक के संस्करण का न लिखा जाना
7. पाठ में व्याकरणिक त्रुटियों का होना
9. वाक्य में काल का असंगत होना
10. प्रस्तुति में असंगतता
11. लेखक के द्वारा आलेख शुद्ध करते समय शब्द/पद/वाक्य का लोप हो जाना
12. लेख का अपेक्षाकृत बड़ा हो जाना
13. विषय प्रतिपादन में विषय का अस्पष्ट होना
14. तथ्यों, भावों या विचारों की पुनरावृत्ति

Abstract:-

The researchers must give Abstract of their papers/Articles. It must be concise, clear and perfect in itself and should not be the repetition of paragraphs given research papers.

शोध सारांश :-

अनुसंधाता द्वारा अपने शोध-पत्र/ शोध-आलेख का आलेख सार (Research Article Abstract) अधिकतम 150 शब्दों में अवश्य दिया जाए। आलेख सार बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाये कि वह अपने आप में संक्षिप्त, स्पष्ट एवं पूर्ण हो तथा मूल शोध-आलेख के अनुच्छेदों की पुनरावृत्ति न हो।

Key Words :-

Keywords of research paper/article must be given at the beginning of the paper. It should not be in more than 5 words.

विषय संकेत :-

शोध-पत्र/लेख के विषय का सम्पूर्ण परिचय प्रस्तुत करने वाले शब्दों को अवश्य दें। इनकी संख्या पाँच से अधिक नहीं होनी चाहिए।

Be Research Journalist

Be a Research Journalist and join us. Send research based News, information, reports and photographs of Seminars etc.

Research flourishes through publication & efficient academic networking

CHIEF EDITOR :

Prof. Yogendra Pratap Singh
Professor, Dept. of Hindi & Modern Indian Languages, Allahabad University, Prayagraj

EDITOR & PUBLISHER :

Dr. Sunita Singh
Dept. of M.Ed., V.S.S.D. College, Kanpur

ASSOCIATE EDITOR :

Dr. Pradeep Kumar Rao,
Principal, M.P. Degree College, Gorakhpur

NEWS EDITOR :

Dr. A.K. Singh
Dept of Journalism & Mass Communication Baba Saheb Bheem Rao Ambedkar, Central University, Lucknow
Dr. Ramesh Verma,
Senior Journalist, Kanpur

EXECUTIVE EDITOR :

Dr. Bipin Chandra Kaushik,
Dept. of Pol. Science, D.B.S. College, Kanpur
Dr. Vikas Mishra,
Dept. of B.Ed., Akbarpur Degree College, Akbarpur, Kanpur- Dehat

HINDI LANGUAGE EDITOR :

Dr. Vibha Singh,
Dept. of Hindi, D.A-V College, Kanpur

ENGLISH LANGUAGE EDITOR :

Dr. Suman Singh,
Dept. of English, P.P.N. College, Kanpur

TRANSLATION EDITOR :

Dr. Rajendra Prasad Pandey,
Dept. of Translation Studies, I.G.N.O.U., Dehli

CONVENER & CO-CONV. REVIEW COMMITTEE :

Dr. Raj Saran Shahi,
Dept. of Education, Budh P.G. College, Kushinagar
Dr. Jyoti Yadav,
Dept. of English, M.K.R. Gov.College, Ghaziabad.

ASSISTANT EDITOR

Mr. Vinod Kumar Verma
Dept. of Law, V.S.S.D. College Kanpur
Mr. Devendra Pratap Singh
Dept. of M.Ed., V.S.S.D. College Kanpur
Mr. Nitesh Verma
Asst. Lib., Central Library, Baba Saheb Bheem Rao Ambedkar, Central University, Lucknow
Nivedita Singh, *R.S., A. U., Prayagraj*
Richa Singh, *R.S., A. U., Prayagraj*

EDITORIAL ADVISORY BOARD

Prof. Ram Chandra,
Dept. of Hindi, J.N.U., Delhi
Dr. Tribhuwan Singh,
Principal, B.A.D. College, Ballia
Dr. Lalit Singh,
Dept. of Humanities, Registrar,M.G.C.G. Vishwavidyalya, Chitrakot, Satana
Dr. Pawan Agrawal,
Dept. of Hindi, Lucknow Univ., Lucknow
Dr. Jai Veer Singh,
H.O.D, Hindi, R.M.P.P.G., College, Sitapur
Dr. Krishna Kanti Dixit,
Dept. of Hindi, D.A-V. College, Kanpur
Dr. Mahesh Diwakar,
President, Akhil Bhartiya Sahitya Kala Manch, Mooradabad
Dr. Gayatri Singh,
Principal, Armapore Degree College, Kanpur
Dr. Kusum Singh,
Dept. of Humanities, M.G.C.G. Vishwavidyalaya, Chitrakot, Satna
Dr. Jacob Kurion,
Professor of In ternational Economics at the Johns Hopkins University Center for Advanced International Relations (SAIS) in Nanjing, China.

शोध संचयन

Vol. 12, Issue 1 & 2, 15 July, 2021

अनुक्रम

Effectiveness of administrativeStructure

Raj Shree Chaturwedi.....07

शमशेर की कविता : शब्दार्थ की अर्न्तध्वनियों और कलात्मक संधान की विभिन्न प्रक्रियाओं में शब्दार्थ और शब्द की लयात्मकता के विभिन्न प्रयोग

डॉ. अनिल कुमार सिंह.....17

Mahasweta Devi: A Voice of Dalits

Dr. Lucky Gupta.....*23*

डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी के एकाकी परिवार व्यंग्य साहित्य में एकल परिवार

डा० राजनारायण शुक्ल, डा० बीना शुक्ला, ...28

Teaching important moral valuestostudents through science

Dr. Shalini Singh *35*

झारखण्ड के कोल्हान पोड़ाहाट क्षेत्र में मानकी मुण्डा व्यवस्था पर आधुनिकीकरण का प्रभाव

स्मिता किरण टोप्पो.....41

प्राचीन सिक्कों की निर्माण पद्धति में भारतीय एवं विदेशी तत्वों की भूमिका

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र.....48

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' में हिन्दी गद्य के रूपों का विवेचन'

सत्य प्रकाश सिंह.....54

"Russell's concern on peace and inclusiveness with reference to sustainable development."

Jully Tyagi.....58

Role Of Teacher in Inculcation Of Values

Saraswati R.Ratkalle.....63

Evaluation of Corporate Social Responsibility : challenges and suggestions

Raazia Shakeel.....*67*

आधुनिक साहित्यिक दृष्टि और निर्गुण काव्य

हेमन्त त्रिपाठी *77*

An honest warning to research contributors

The writing of research papers is a very common phenomenon in the academic world. But now-a-days this is done without giving due care to the norms and ethics accepted for writing research papers. Even a small mistake spoils the reputation of the concerned person. We come across several stories of the violation of accepted norms. With the help of Electronic Editing, it is very common to cut ,copy and paste in Research article / thesis formation without giving a reference of the original work. We should always keep in mind that it is not a fare practice. While reviewing, sometimes we come across such malpractices. Such stories suggest that research scholars must be very honest and sincere in their work and must give proper attribution in case they quote any content from any original work.

Editor

Key-points which you have to keep in mind

Your research article is no doubt relevant and important. But we are need of your help.
Please review your article according to our specified format and send it.
There are certain key-points which you have to keep in mind-
*Article must have any research problem.
**Title of the research article should reflect research problem.
*** Research Abstract about research work should be presented in max. 100 words.
**** Abstract:- Abstract of the paper/Articles must be concise, clear and perfect in itself and should not be the repetition of paragraphs from given research papers.

शोध सारांशः–

अनुसंधाता द्वारा अपने शोध पत्र/शोध आलेख का सारांश अधिकतम 100 शब्दों में दिया जाना अपेक्षित है। आलेख सार बनाते समय इस बात को ध्यान में रखा जाना अपेक्षित है कि वह अपने आप में संक्षिप्त, स्पष्ट एवं पूर्ण हो तथा मूल शोध आलेख के अनुच्छेदों की पुनरावृत्ति न हो।

* Approx. 5 keywords for online searching the article

Key Words:-

Keywords of research paper/article must be given at the beginning of the paper. It should not to be in more than 5 words.

विषय संकेत :–

शोध पत्र के विषय का सम्पूर्ण परिचय प्रस्तुत करने वाले कुछ शब्दों को अवश्य दें, जिससे आपके आलेख को इन्टरनेट पर सहजता से खोजा जा सके।

*References should be proper, relevant and abundant.
References must be in end-note style as given bellow-
Author's name, Book's name, Publisher, Place, Year, Page no.